

H. 231, b, 6.

अमरसरित् Spr. 4702.

अमराङ्गना (अमर + अङ्ग) f. eine Apsaras KATHÁS. 103, 47.

अमराङ्गि m. Bhaḡ. P. 10, 59, 2. — Vgl. अमरपर्वत.

अमरारि (अमर + 2. अरि) m. ein Feind der Götter R. 7, 32, 70. ein

Asura: °पूज्य m. der Planet Venus VARĀH. BRH. 18, 15.

अमरावति = अमरावती 1) R. 7, 33, 4.

अमरक m. N. pr. eines Dichters Verz. d. Oxf. H. 123, b, 16. 208, b, 43.

— Vgl. अमरू.

अमरेव्य (अमर + ३०) m. Brhaspati, der Planet Jupiter VARĀH. BRH. 2, 13. 23, 14.

अमरेन्द्रमुनि (अमर - इन्द्र + मु०) m. N. pr. eines Mannes HALL 96.

अमरेश Bein. Indra's VARĀH. BRH. S. 30, 33.

अमरेश्वर n. N. eines Liṅga Verz. d. Oxf. H. 64, a, 35. WILSON, Sel. Works 1, 223.

अमरेश्वरतीर्थ n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 63, b, 39.

1. अमरर्ष 1) तर्पामर्ष so v. a. ein unerträglicher Durst Spr. 1226.

2. अमरर्ष 1) zu streichen, da R. 1, 74, 20 पितृवधामर्षा ein blosser Druckfehler für °मर्षा ist.

अमरर्षित von 1. अमरर्ष: vgl. u. मर्ष caus.

अमरर्षिन् (von 1. अमरर्ष) MBH. 1, 1736. 2007. पितृवधामर्षिन् nicht ertragend R. 1, 74, 20.

अमल 1) अमले ऽर्के bei heller Sonne VARĀH. BRH. S. 46, 44. — 4) m. (nach dem Schol.) Bergkrystall Buḡ. P. 10, 41, 21. — 3) m. N. pr. eines Dichters Verz. d. Oxf. H. 123, b, 17.

अमलय (von अमल), °पति rein —, weiss machen KIR. 5, 44.

अमलश्रागर्भ m. = अमलगर्भ DAÇABHŪM. 2.

अमलातक n. = अम्लान RĀJAM. zu AK. 2, 4, 2, 54. अमलानक n. dass. HALĀ. 2, 52.

अमलानन्द (अमल + अण०) m. N. pr. eines Mannes mit dem Beinamen व्यासाश्रम HALL 87.

अमलोदरी (अमल + उदर) f. N. pr. einer Verfasserin von Sprüchen Verz. d. Oxf. H. 101, b, 2.

अमस्तु vgl. मस्तु.

अमकीयमान PAṆḶAV. Br. 7, 5, 1.

अमकीयु (3. अ + म०) m. N. pr. eines Rshi, mit dem patron. Āṅgi-rasa, Verfassers von RV. 9, 61. Ind. St. 3, 203, a. — Vgl. आमकीयव.

अमोसक (von 3. अ + मांस) adj. fleischlos TS. 7, 5, 12, 2.

अमात्र maasslos so v. a. kein prosodisches Zeitmaass enthaltend MĀṆP. UP. 12. das Maass von अ habend VS. PRĀT. 1, 55. Lies 3. अ + मात्रा.

1. अमानुष 1) अमानुषेभ्यो मानुषाश्च प्रधानाः die Menschen stehen über Allem, was nicht Mensch ist, Spr. 3376.

2. अमानुष (3. अ + मानुष Mensch) adj. f. अमा menschenlos: हमा KATHÁS. 43, 17.

अमाय AIR. Br. 8, 23.

अमायिक (3. अ + मा०) adj. nicht in Täuschung bestehend, kein Blendwerk seiend KAP. 3, 26.

अमावसु MBH. 1, 3149. HARIV. 1413. 1415 (अमा० die neuere Ausg.).

अमावस्या so KĀṬH. immer für अमावास्या.

1. अमावास्य 2) a) Neumondstag, deren zwei, WEBER, GJOT. 60. figg. Ind. St. 5, 229. — b) Bein. der Akk'hodā Verz. d. Oxf. H. 39, b, 40.

2. अमावास्य m. N. pr. eines Lehrers mit dem patron. Çāṇḍiljajana Ind. St. 4, 373.

अमाक in der Stelle: गेषो नाम मक्षानागः सर्वमन्त्रमुखावकः । स सूर्यरथमासाथ्य रश्मिभिः सह वर्षति ॥ यस्तस्य पुनर्निर्माकः स र्वेस्तु अमाकः । वन्दितव्यो मगानां तु अमन्त्रमन्त्रेण नित्यशः ॥ यथा मुञ्जा द्विजानो (so verbessert AUFRECHT) तु व्रतकाले प्रदीयते । अमाकं तथा तेषां मगानां तु प्रदीयते ॥ Verz. d. Oxf. H. 33, b, 5. figg.

अमाकेश्वरतीर्थ (अमाक - ई० + तीर्थ) n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 66, b, 42.

अमाकठ (1. अ + कठ) m. N. pr. eines Schlangendämons MBH. 1, 2157.

अमित vgl. noch u. 1. मित am Ende. m. wohl so v. a. अमितभ 2) WILSON, Sel. Works 2, 18. fg.

अमितगति N. pr. eines Vidjādharma KATHÁS. 107, 56.

अमितल (von अमित) n. Unermesslichkeit HARIV. 13976.

अमितप्रभव (अ० + प्र०) m. N. pr. eines Scholiasten Verz. d. Oxf. H. 316, b, N. 2.

अमितरुचि (अ० + रू०) m. N. pr. einer buddhistischen Gottheit WILSON, Sel. Works 2, 11.

अमितानर RV. PRĀT. 12, 9.

अमिताशन (अमित + अ०) adj. unmässig im Essen; f. अमा N. pr. einer der Mütter im Gefolge Skanda's MBH. 9, 2625.

अमितैज्ञस् m. N. pr. eines Mannes गाṇा बाह्वादि zu P. 4, 1, 96. — Vgl. अमितैज्ञि.

अमित्र n. Feind KĀM. NTRIS. 8, 73 (Spr. 3538). — adj. keinen Freund habend: अमित्रस्य कुतः सुखम् Spr. 3608.

अमित्रघातिन् MBH. 3, 2433.

अमित्रजित् Verz. d. Oxf. H. 71, b, 35.

अमित्रयु० (3. अ + मि०) adj. feindlich gesinnt AV. 20, 127, 13.

अमित्रवर्मन् (अ० + व०) m. N. pr. eines Mannes DAÇAK. 196, 8. 10.

अमित्राय्, partic. अमित्रायत्तम् AV. 7, 84, 2.

अमिनत् 2) nicht fehlend, nicht aus der Ordnung kommend RV. 4, 56, 2. 10, 88, 13.

अमियाण N. pr. einer Oertlichkeit Verz. d. Oxf. H. 339, b, 43. अमो-याण v. l.

अमिलातक und अमिलानक n. die Blüthe von Amlāna (und auch daraus entstanden) HALĀ. 2, 52, v. l.

अमिश्र nicht gemischt Ind. St. 8, 307.

अमिष्य n. = अमिष UḠĀVAL. zu UṆĀDIS. 1, 47.

अमियाण s. अमियाण.

अमीव 2) अपि स्वज्ञातिबन्धुनामनमीवमनामयम् Buḡ. P. 10, 39, 4.

अमीवकृन्, die aus dem Buḡ. P. citirte Stelle steht 10, 34, 15; vgl. noch 38, 12.

अमुक SADDH. P. 23, a, b. °सगोत्र, °शर्मन् GṆHJAPADDH. in Ind. St. 5, 370.

अमुक्त adj. nicht frei, nicht erlöst TATTVAŚ. 37.

अमुक्तकस्त eher 3. अ + मु०; füge nicht verschwenderisch hinzu.